

Prayer of Manasseh

मनश्शे की प्रार्थना

मनश्शे की प्रार्थना

हे प्रभु, हमारे पितरों इब्राहीम, इसहाक, और याकूब और उनके धर्मी वंश के सर्वशक्तिमान परमेश्वर; जिस ने स्वर्ग और पृथ्वी को उसकी सारी सजावट समेत बनाया; जिस ने तेरी आज्ञा के द्वारा समुद्र को बान्धा है; जिस ने गहिरे जल को बन्द कर दिया, और अपने भयानक और महिमामय नाम के द्वारा उस पर मुहर कर दी, जिससे सब मनुष्य डरते हैं, और तेरे बल के सामने कांपते हैं; क्योंकि तेरी महिमा का तेज सहा नहीं जा सकता, और पापियों के प्रति तेरी क्रोध की धमकी भीषण है: परन्तु तेरी प्रतिज्ञिक करुणाएँ अथाह और अप्राप्य हैं; क्योंकि तू परमप्रधान, हे प्रभु, कृपालु, सहनशील, बहुत दयालु और मनुष्यों की बुराइयों पर पश्चाताप करने वाला है। हे प्रभु, तूने अपनी कोमल कृपा के अनुसार उन लोगों जो अपने पापों पर पश्चाताप करते हैं, क्षमा का वादा किया, जिन्होंने तेरे विरुद्ध पाप किया है: और अपनी बड़ी दया से पापियों से लौट आने की छूट दी, ताकि वे उद्धार पा सकें। अतः हे प्रभु, तू जो धर्मियों का परमेश्वर है, तूने इब्राहीम, और इसहाक, और याकूब के समान धर्मियोंको मन फिराने की आज्ञा नहीं दी, जिन्होंने तेरे विरूद्ध पाप नहीं किया; परन्तु तूने मुझ पापी के लिये मन फिराव का काम ठहराया है; क्योंकि मैं ने समुद्र की बालू की गिनती से भी अधिक पाप किया है। प्रभु, मेरे अपराध बहुत बढ़ गए हैं; मेरे अपराध बहुत बढ़ गए हैं, और मैं अपने बहुत पापों के कारण स्वर्ग की ऊंचाई को देखने के योग्य नहीं हूँ। मैं लोहे की बहुत सी बेड़ियों से दबा दिया गया हूँ, यहाँ तक कि अपना सिर उठा नहीं पाता, और न छूट पाता हूँ; क्योंकि मैं ने तेरा क्रोध भड़काया है, तेरे सामने बुराई की, पराए देवताओं प्रतिष्ठित की; और बहुत से अपराध किए हैं। इसलिये अब मैं अपने गहरे हृदय के घुटने टेककर तुझ से अनुग्रह की याचना करता हूं। मैंने पाप किया है, हे प्रभु, मैंने पाप किया है। मैं अपना उल्लंघन जानता हूँ और मेरे पाप तेरी सम्मुख स्वीकार करता हूँ: इसलिए, मैं तुझसे विनती करता हूँ। मैं तुझसे याचना करता हूँ: मुझे क्षमा कर, हे प्रभु, मुझे क्षमा कर। मेरे अधर्म के साथ मुझे नष्ट मत कर। मेरे बुराई कामों सदा सर्वदा स्मरण न कर, और न ही मुझे पृथ्वी के निचले भागों में दोषी ठहरा; क्योंकि तू ही परमेश्वर है, उन अपने पापों से मन फिरानेवालों का भी परमेश्वर। अपनी विशाल करुणा के अद्‌भुत मुझ में प्रगट कर। यद्यपि मैं अयोग्य हूँ, अपनी बड़ी दया के अनुसार मुझे उद्धार ले। और मैं जीवन भर तेरी स्तुति करता रहूंगा; क्योंकि स्वर्ग की सभी शक्तियां तेरी स्तुति करती हैं, और तेरी महिमा युग-युग तक। आमीन।